अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2018) **दिनांक : 18-12-2018**

समय सीमा : 3 घंटा **प्रथम वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

तेरापंथ का इतिहास–80

प्र. 1 किन्हीं सत्रह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दीजिए– 17

आचार्य भिक्षु (कोई तेरह प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) गोगुन्दा के श्रावक आचार्य भिक्षु के भक्त कैसे बने?

(ख) जैन शासन में साधना की दस विशेष अवस्थाओं का लोप कब से माना गया है?

(ग) इतने बड़े टोले की सुव्यवस्था छिन्न-भिन्न कर किसी बहाव में बह जाना आप जैसे सुविज्ञ संघानायक के लिए शोभास्पद नहीं है। यह कथन किसने किससे कहा?

(घ) भगवान महावीर ने ज्ञाता आदि सूत्रों में किस-किस की संगति का निषेध किया है?

(ङ) जिन धर्म में आध्यात्मिक क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए सर्वाधिक महत्व किसे दिया जाता है?

(च) स्वामीजी 1848 में जयपुर पधारे उस समय उनके शारीरिक शुभ चिन्ह देखकर कौन प्रभावित हुए?

(छ) पीपाड़ में स्वामीजी से पद्य सुनकर किसी ने पूछा–जब पांचों ही महाव्रत भंग हो गए तो फिर चौमासी दण्ड किस बात का है? स्वामीजी ने इसका स्पष्टीकरण कैसे किया?

(ज) 'सन्वाइं विज्जाइं सच्चे पइट्ठियाइं' इस आगम वाणी का अर्थ क्या है?

(झ) स्वामीजी ने अपने विचारों को जनसुलभ बनाने के लिए किन-किन विषयों पर पद्य रचना की?

(ञ) आचार्य भिक्षु ने सर्वाधिक चातुर्मास कहाँ किए?

(ट) किनके शब्दों में स्वामी जी एक मणिधारी थे?

(ठ) पाली चातुर्मास में टीकम डोसी अपनी जिज्ञासायें कितने पत्रों में लिखकर लाए तथा स्वामीजी ने उनका उत्तर कितने पत्रों में दिया?

(ड) संघ में शुद्ध श्रद्धा और आचार की पुनः प्रतिष्ठा हो इस विषय पर आचार्य भिक्षु और रघुनाथ जी के बीच विचार विमर्श कब से कब तक चला?

(ढ) केलवा चातुर्मास में स्वामीजी के साथ कितने व कौन से सन्त थे?

आचार्य श्री भारमल जी (कोई चार प्रश्नों के उत्तर दें)

(ण) द्रोणाचार्य के अनुसार परिवार का कोई व्यक्ति संयम मार्ग से पृथक करने के लिए उपसर्ग करे तो साधु को क्या करना चाहिए?

(त) आचार्य भिक्षु ने किन-किन सन्तों के लिए फरमाया कि उनके कारण मेरे चित में समाधि रही?

(थ) मुनि हेमराज जी आदि संतों के उदयपुर प्रवास के समय उदयपुर महाराजा ने संत समागम का लाभ कितनी बार और क्यों लिया?

(द) आचार्य भारमल जी ने संलेखना तप का प्रारम्भ कब व किस तप से किया?

(न) माधोपुर में आचार्य भिक्षु को आगम की 13 प्रतियों का दान किसने किस रूप में दिया?

प्र. 2 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 15

आचार्य भिक्षु (किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) आचार्य भिक्षु द्वारा जन उद्‌बोधन के लिए आख्यानों का बहुलता से प्रयोग का मुख्य कारण क्या था? तथा वर्तमान में उनके द्वारा रचित कितने आख्यान उपलब्ध हैं?

(ख) स्वामी भीखण जी दिवंगत होने के पश्चात् पांचवे देवलोक के इन्द्र बने, इसकी पुष्टि जयाचार्य भी करते हैं। संक्षेप में स्पष्ट करें।

(ग) विरोधी सम्पद्राय को एक साधु ने स्वामीजी के विषय में कहा, 'भीखणजी तो करोड़ कसाइयों से भी बुरे हैं।' इसे सुनकर आचार्य भिक्षु ने क्या कहा?

(घ) सिरियारी में सप्तर्षि-मण्डल में कौन-कौन से सन्त थे?

(ड) आचार्य भिक्षु के अन्तिम समय में कौन-कौन से साधु-साध्वियां वहां पहुंचे?

आचार्य भारमल जी (कोई दो प्रश्नों का उत्तर दें)

(च) आचार्य भारमल जी ने शंकाशील श्रावकों का संबंध विच्छेद कैसे किया?

(छ) किशनोजी की स्वभावगत दुर्बलताओं को देखकर आचार्य भिक्षु व भारमल जी के संवाद को संक्षेप में लिखें।

(ज) आचार्य भारमल जी को जयपुर पधारने की सामयिक प्रेरणा क्यों व किसने दी?

प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 100से 150 शब्दों में दीजिए— 12

(क) खोटा सिक्का घटना प्रसंग से सिद्ध करें कि शिथिलाचारी साधुओं की स्थिति निन्दनीय ही कही जा सकती है वन्दनीय तो बिल्कुल नहीं।

(ख) घटना प्रसंग से सिद्ध करें कि स्वामीजी के जीव की सक्रियता अनुकरणीय थी।

(ग) सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु अनन्य रूप से गुणग्राही व्यक्ति थे।

प्र. 4 घटना प्रसंगों से सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु का जीवन संघर्षों से परिपूर्ण था। 15

अथवा

आचार्य भिक्षु जहां तेरापंथ के आचार्य थे वहां तेरापंथ के साहित्य क्षेत्र में आद्य पुरूष थे। स्पष्ट करें।

प्र. 5 'आश्रव जीव है या अजीव' इस विषय पर हुए शास्त्रार्थ का विवेचन करें। 6

अथवा

'व्याख्यान में पत्थर' घटना प्रसंग से स्पष्ट करें कि संतों का उदयपुर प्रवास तेरापंथ के लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा।

प्र. 6 आचार्य भारमल जी के जीवन की अंतिम अवस्था का वर्णन करें। 15

अथवा

घटना प्रसंगों से सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु को मुनि भारमल जी एक आदर्श शिष्य के रूप में प्राप्त हुए थे।

तेरांपथ प्रबोध—20

प्र. 7 किन्हीं दो पद्यों की पूर्ति करें— 7

(क) वन्दना लो झेलो, भक्ता, री भगवान गीत वाला पद्य।

(ख) 'ऊगंतो ही तपै तेज रवि' लोकोक्ति वाला पद्य लिखें।

(ग) दीपां बाई.....पार हो।।

(घ) 'कर कंगण आंख्यां स्यूं दीखै' लोकोक्ति वाला पद्य।

(ङ) 'एकानी नदी और एकानी न्हार' वाला पद्य।

प्र. 8 कोई दो पद्य अर्थ सहित लिखें— 13

(क) घणां सुहावो माता दीपांजी रा जाया गीत वाला पद्य।

(ख) भारीमाल जी तो.....उम्मीदवार हो।

(ग) अन्तिम मर्यादा पत्र वाला पद्य लिखें।

(घ) 'पाली में घी सहित घाट ली' पद्य लिखें।

(ङ) तेरा मां स्यूं.....विस्तार हो।